



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2073]

नई दिल्ली, सोमवार, अक्टूबर 15, 2012/आश्विन 23, 1934

No. 2073]

NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 15, 2012/ASVINA 23, 1934

विधि और न्याय मंत्रालय

( विधि कार्य विभाग )

अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर, 2012

का.आ. 2504(अ).—राष्ट्रपति, विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 की धारा 3 की उप-धारा (2) के खंड (ख) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत के उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश, माननीय श्री जस्टिस डी. के. जैन को तत्काल प्रभाव से राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण का कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत करते हैं।

[ फा. सं. ए-60011/77/2008-प्रशा. III (वि.का.) ]

डॉ. ब्रह्म अवतार अग्रवाल, सचिव

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Department of Legal Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 15th October, 2012

S.O. 2504(E).—In exercise of the powers conferred under clause (b) of sub-section (2) of Section 3 of the Legal Services Authorities Act, 1987, the President is pleased to nominate Hon'ble Shri Justice D. K. Jain, Judge, Supreme Court of India as Executive Chairman, National Legal Services Authority with immediate effect.

[F.No. A-60011/77/2008-Admn. III (LA)]

Dr. BRAHM AVTAR AGRAWAL, Secy.